नियमों के अधीन अंशदानों को जमा करने के बारे में स्थिति नीचे दी गई है :—

कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम

इस प्रतिष्ठान को कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 के पैराग्राफ 79 के अधीन पहली अगस्त, 1980 से छूट प्रदान की गई है और तब से वे अपने न्यासी बोर्डों की अंशदानों की राशि का हस्तांतरण कर रहे हैं। छट प्रदान करने से पहले की अवधि के लिए प्रतिष्ठान ने कर्मचारी भविष्य निधि प्राधिकरणों के पास 6,64,069.00 रुपये की राशि जमा करा दी है और कोई राशि बकाया नहीं है ।

कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम

प्रतिष्ठान ने जनवरी, 1979 से नवम्बर, 1981 की अवधि के लिए 4,66,312.35 रुपये की राशि का भुगतान कर दिया है और कोई राशि बकाया नहीं है ।

मै० जीप इंडस्ट्रीयल सिंडीकेट, इलाहाबाद की और कर्मचारी राज्य बीमा और कमचारी भविष्य निधि की राशि

671. **श्री निहाल सिंह :** क्या श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मै० जीप इण्डस्ट्रीयल सिंडीकेट लि०, इलहाबाद, में कितने कर्मचारी दैनिक और मासिक मजरी पर कार्य कर रहे हैं; और

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान कम्पनी द्वारा कर्मचारी भविष्य निधि और कर्मचारी राज्य बीमा योजना की कितनी राशि जमा की गई है और तत्सम्बन्धी बकाया राशि कितनी है ?

श्रम मंत्रालय में उपमंत्री (श्री धर्मवीर) : (क) उपलब्ध सूचना के अनुसार, इस प्रतिष्ठान में 3733 कर्मचारी मासिक मजदूरी के आधार पर काम कर रहे हैं और दैनिक मजदूरी के आधार पर कोई कर्मचारी काम नहीं कर रहा है ।

(ख) स्थिति निम्न प्रकार है :—

कर्मचारी भविष्य निधि बकाया राशि

इस प्रतिष्ठान को कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 के अधीन छूट प्राप्त है । उन्होंने पिछले तीन वर्षों के दौरान अपने न्यासी बोर्ड को 59,09,976.60 रु0 की राशि का हस्तांतरण किया है और कोई भी राशि बकाया नहीं है ।

कर्मचारी राज्य बीमा बकाया राशि

इस प्रतिष्ठान ने कर्मचारी राज्य बीमा अंशदान के लिए 30,42,620.05 रुपये की राशि जमा कराई है और सामान्यत: नियमित रूप से अनुपालन कर रहा है । तथापि, हाल ही में किए गए निरीक्षण के परिणामस्वरूप, 5,225.30 रुपये की कम अदायगी का पता लगाया गया और इस राशि को वसूल करने के लिए आवश्यक कार्यवाही की जा रही है ।

लद्दाख क्षेत्र में असन्तोष और तनाव

672. **श्री कृष्ण कुमार गोयल :** क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि इस वर्ष माह जनवरी में लद्दाख क्षेत्र में भारी तनाव और असंतोष था, और वहां गोली चलाये जाने की घटना भी घटित हुई ;